

वालॉग युद्ध की 62वीं वर्षगाँठ

स्रोत: द हट्टि

भारतीय सेना **चीन के साथ वर्ष 1962 के युद्ध** के दौरान हुआ **वालॉग युद्ध** की **62वीं वर्षगाँठ** मनाने के लिये एक महीने तक कार्यक्रमों की एक शृंखला आयोजित करेगी।

- इस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने, अपनी कम जनसंख्या और संसाधनों की कमी के बावजूद, **कबिथू, वालॉग और नामती ट्राई-जंक्शन** (टाइगरस माउथ) के चुनौतीपूर्ण इलाकों में आगे बढ़ रही **चीनी सेना को 27 दिनों तक सफलतापूर्वक** रोके रखा।
- कुमाऊँ, सखि, गोरखा और डोगरा रेजिमेंटों के साथ **11 इन्फैंट्री ब्रिगेड** ने चीनी सेना के वरिद्ध वालॉग क्षेत्र की रक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- यह युद्ध 3,000 से 14,000 फीट की ऊँचाई पर हुआ था, लेकिन 62 वर्षों के बाद, **बेहतर बुनियादी ढाँचे और सेना की बढ़ी हुई** शक्ति ने स्थिति बदल दी है।
- इस वर्ष के स्मरणोत्सव में कई साहसिक और सामुदायिक गतिविधियाँ शामिल होंगी हैं, इस दौरान **व्हाइट वाटर राफ्टिंग, मोटरसाइकिल रैलियाँ, साइकिल रैलियाँ, युद्धक्षेत्र ट्रेकिंग, एडवेंचर ट्रेकिंग और हाफ मैराथन** जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।
 - लामा स्पर में नव पुनर्निर्मित **वालॉग युद्ध स्मारक** और **शौर्य स्थल का** उद्घाटन किया जाएगा।
 - **14 नवंबर को वालॉग दिस** पर पुष्पांजलि समारोह, युद्ध वर्णन और **मशिमी** तथा मेयर नर्तकों द्वारा पारंपरिक प्रदर्शन किया जाता है।

और पढ़ें: [भारत-चीन संघर्ष](#)